आकाशवाणी
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बृहस्पतिवार 23.10.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ और यमुनोत्री धाम के कपाट आज भैया दूज के पावन पर्व पर विधिविधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए।
- रजत जयंती समारोह के तहत 1 से 9 नवंबर तक प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।
- अग्निवीर बनकर देश की सेवा करने के इच्छुक युवाओं को भर्ती पूर्व निशुल्क प्रशिक्षण देने के लिए एसओपी तैयार।
- **और**...आज अंतर्राष्ट्रीय हिम तेंदुआ दिवस पर प्रदेश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित, हिम तेंदुए के संरक्षण का संकल्प लिया गया।

कपाट बंद

विश्व प्रसिद्ध उत्तराखंड के चारधामों में शामिल केदारनाथ और यमुनोत्री धाम के कपाट आज भैयया दूज के पावन पर्व पर विधि विधान व वैदिक मंत्रोंचार के साथ शीतकाल के लिए श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ बंद कर दिए गए हैं। इस दौरान केदारनाथ धाम में 10 हजार से अधिक शिव भक्तों ने अपने आराध्य के दर्शन किए। इस बीच डोली रात्रि प्रवास के लिए अपने पहले पड़ाव रामपुर पहुंच गई है। 25 अक्तूबर को बाबा केदार की डोली शीतकालीन पूजा–अर्चना के लिए पंचकेदार गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में विराजमान हो जाएगी। जिससे अगले छह माह तक शिव भक्त अपने आराध्य की पूजा–अर्चना और दर्शन यहीं पर कर सकेंगे।

वहीं अब शीतकाल में छह माह तक माँ यमुना की भोगमूर्ति के दर्शन शीतकालीन प्रवास खरसाली में होंगे। कपाट बंद होने के बाद मां यमुना की उत्सव डोली अपने शीतकालीन प्रवास खरसाली गांव में विराजमान होगी जिसके बाद छह माह तक श्रद्धालु यहीं दर्शन कर सकेंगे। यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल ने बताया कि भैयादूज पर

दोपहर 12.30 बजे यमुनोत्री धाम में मां यमुना मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद किए गये है।

इस वर्ष 24 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने यमुनोत्री और केदारनाथ धाम की यात्रा की। श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा और आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के विशेष प्रबंध किए गए हैं।

भैय्या दूज

आज भाई के प्रति बहन की अभिव्यक्त प्रेम का पर्व भैय्या दूज प्रदेश भर में मनाया गया। यह पर्व हर साल कार्तिक महीने की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। यह पर्व भाई–बहनों के बीच अटूट स्नेह, सुरक्षा और आशीर्वाद का प्रतीक है। इस अवसर पर चंपावत जिले के टनकपुर, बनबसा, चम्पावत, लोहाघाट, बाराकोट पाटी सहित शहरी व ग्रामीण क्षेत्रो में सुबह से ही लोगों में पर्व को लेकर खासा उत्साह रहा। बहनों द्वारा भाइयों का टीका कर उनकी आरती उतार "रया जागि रया इन दिन बार भेटनि रया "का उच्चारण कर लम्बी उम्र व प्रसन्नतापूर्ण जीवन की प्रार्थना की गई।

मौसम

राजधानी देहरादून सहित प्रदेश के पर्वतीय अंचलों में सुबह और शाम को ठंड बढ़ गयी है। मौसम विभाग के अनुसार आज राज्य के कई जिलों में हल्की बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात की संभावना है। रुद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी, देहरादून, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों में कहीं–कहीं हल्की बारिश हो सकती है। मौसम वैज्ञानिक रोहित थपलियाल ने बताया कि आने वाले चार पांच दिनों तक प्रदेश के मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क बना रहेगा तो वही पहाड़ी क्षेत्रों में हल्की बारिश होने की उम्मीद है। अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी देखने को मिलेगी।

मुख्य सचिव

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने आज देहरादून सचिवालय में नवम्बर माह में प्रस्तावित रजत जयंती समारोह की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक ली। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती समारोह का आयोजन प्रदेशभर में किया जाएगा। जिसके लिए 01 नवम्बर 09 नवम्बर तक प्रदेश में आयेाजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रमों की रूपरूरेखा तैयार की गयी।

उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों में राज्य ने विभिन्न क्षेत्रों विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग एवं पर्यटन के साथ ही सड़कों एवं नेटवर्क की कनेक्टिविटी के क्षेत्र में उपलब्धियां अर्जित की हैं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में पिछले 25 साल की उपलब्धियों के साथ ही अगले 25 सालों का रोडमैप भी प्रदर्शित किया जाए। उन्होंने कार्यक्रमों में श्रमिकों, किसानों, पूर्व सैनिकों और महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित किए जाने पर जोर दिया।

हिम तेंदुआ दिवस

आज अंतर्राष्ट्रीय हिम तेंदुआ दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आज बागेश्वर जिले के वन प्रभाग के तत्वावधान में स्नो लेपर्ड डे को लेकर विषय कार्यक्रम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम हिम तेंदुआ, हिमालय का गौरव, संरक्षण हमारा दायित्व रहा विषय पर आधारित था। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारियों, स्कूली बच्चों और स्थानीय नागरिकों ने हिम तेंदुए के संरक्षण का संकल्प लिया। आयोजित कार्यक्रमें उप–विभागीय अधिकारी तनुजा परिहार ने कहा कि, हिम तेंदुआ हमारे हिमालय का गौरव है।

वन क्षेत्राधिकारी तथा विशेषज्ञों ने बताया कि हिम तेंदुआ हिमालयी पारिस्थितिकी का एक शीर्ष शिकारी है, जो पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। वहीं उत्तरकाशी जिला वन प्रभाग और गंगोत्री नेशनल पार्क ने संयुक्त रूप से हिम तेंदुओं के संरक्षण और उनकी सुरक्षा के प्रति जन जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाया।

कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व

कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व से पक्षी प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर–डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के साथ शिकारी पक्षियों पर किए जा रहे कॉर्बेट प्रशासन के शोध में एक पक्षी को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आये हैं। इस संबंध में कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व निदेशक साकेत बडोला ने बताया कि यहाँ प्रवासी पक्षी बनकर आये पलास फिश ईगल समेत 9 प्रजातियां अब यहाँ घोंसले बनाने लगी हैं.. जिससे कॉर्बेट प्रशासन उत्साहित है।

अग्निवीर

खेल एवं युवा कल्याण विभाग सेना में अग्निवीर बनकर देश की सेवा करने के इच्छुक युवक–युवतियों को भर्ती पूर्व निशुल्क प्रशिक्षण देगा। इसके लिए विभाग ने एसओपी तैयार कर ली है। जल्द ही 13 जिलों में अग्निवीरों का भर्ती पूर्व प्रशिक्षण प्रारंभ कर दिया जाएगा। अग्निवीर भर्ती पूर्व प्रशिक्षण के लिए इच्छुक युवाओं को विभिन्न अर्हताएं अनिवार्य की गई हैं। जिनमें उत्तराखण्ड राज्य का मूल व स्थायी निवासी, राज्य में किसी संस्थान में अध्ययनरत/सेवारत होना, हाईस्कूल परीक्षा 45 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण व आयु 16 वर्ष से अधिक के साथ ही अन्य अर्हताएं अनिवार्य हैं।